मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 77, मुंबई, बुधवार, 20 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

धुले में करोड़ों के जब्त किये गये गुटखा मामले में मुख्य गुटखा माफिया की तलाश

देश का सबसे बड़ा गुटखा माफिया मलाड पूर्व पठानवाडी का रहने वाला ABDULLAH

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। हाल ही में धुले में करोड़ों का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया गया है, 4 कंटेनर वाहनों सहित कुल 1,90,74,280 रुपये का माल जब्त किया गया था। इस मामले में स्थानीय अपराध शाखा ने पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जल्द गिरफ्तार हो सकता है गुटखा माफिया अब्दुल्ला!

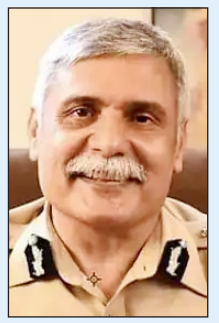

मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे से अपील है कि मलाड पूर्व पठानवाडी का रहने वाला गुटखा माफिया अब्दुल्ला पर सख्त कार्रवाई की जाये, अब्दुल्ला जैसे लोग देश के लिए दीमक की तरह है जो देश के युवा पीढ़ियों को गुटखा व नशीले पदार्थो की लत लगाकर उनकी जिंदगियां बर्बाद कर रहे हैं, गुटखा माफिया अब्दुल्ला पर ऐसी सख्त कार्रवाई की जाये ताकी फिर कोई और गुटखा व नशीले पदार्थों के कारोबार करने की हिम्मत ना जुटा सकें

शरद पवार ने साधा बीजेपी पर निशाना

देश में सांप्रदायिक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है बीजेपी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी देश में 'सांप्रदायिक माहौल' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पवार का यह बयान कई राज्यों में रामनवमी और हनुमान जयंती पर शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा और महाराष्ट्र में मस्जिदों के ऊपर लाउडस्पीकर का मुद्दा उठाए जाने की पृष्ठभूमि में आया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीजेपी की सहयोगी आरपीआई का ऐलान

'अगर मस्जिद के लाउडस्पीकर निकाले जाते हैं तो हम करेंगे विरोध'

मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाने के खिलाफ हैं रामदास आठवले

मुंबई। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर की राजनीति को लेकर पहले से ही ठाकरे सरकार और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में ठनी हुई है। अब इस जंग में बीजेपी की सहयोगी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के मुखिया रामदास अठावले भी शामिल हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर की राजनीति नहीं होनी चाहिए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नफरत से मुकाबला

देश में छह से ज्यादा प्रदेशों में क्या नफरत भरी अभिव्यक्तियों की शृंखला चल रही है? दिल्ली से आंध्र प्रदेश तक और गुजरात से बंगाल तक करीब पंद्रह-बीस घटनाएं ऐसी हैं, जिनकी गंभीरता को समझना राष्ट्रहित में जरूरी है। अगर चल रहे नफरती तीरों के तरकश देखें, तो कोई भी पक्ष निर्दोष नजर नहीं आता है। हर तरफ से हमले तेज हो गए हैं। कटु जवाब देने के साथ ही तत्काल हिसाब बराबर कर देने की जल्दी भी बहुत है। धर्म या मजहब के कथित जानकार और जिम्मेदार लोग भी नफरती बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। क्या कुछ लोग इतने भटक गए हैं कि मुंह खोलते ही जहर उगलने लगते हैं? क्या कथित धर्मक्षेत्र के लोगों की भाषा में प्रेम व मानवीयता का अभाव नहीं हो गया है? क्या प्रेम के बिना भक्ति या वैश्विक सद्भाव और सबका कल्याण संभव है? खतरे को ऐसे बढ़ाकर लोगों को भड़काया जा रहा है, मानो खतरा बस दरवाजे के बाहर खड़ा हो? हर पक्ष खुद को निर्दोष और पीड़ित मान रहा है। सकारात्मकता की चर्चा बंद करके नकारात्मकता में बराबरी की खोज हो रही है। कानून के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि धर्म के विरुद्ध आचरण करने वालों का भी सम्मान करने वाले लोग कौन हैं? हम कैसा समाज बना रहे हैं? ऐसे सवालों का हुजूम उमड़ पड़ा है और दस से ज्यादा राज्यों में खतरे की घंटियां बज रही हैं। कितनी घटनाओं और कितने भटके हुए लोगों का यहां जिक्र करें? सत्संग में बैठने वालों के मुंह से बदजुबानी की सूची लंबी है। जबकि सभी ने बचपन में यह पढ़ा है- रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय, टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ परि जाय। लेकिन अब शायद बहुत से लोग इस दोहे या उसके भाव को भूलने लगे हैं। याद रहे, कट्टरता को भूलकर ही यह देश आगे बढ़ा था और आज विकास की डगर में आगे निकल आया है और अनेक देशों के लिए मिसाल बन गया है। आज लोगों को अनगिनत नकारात्मक टिप्पणियां और उदाहरण याद हैं, पर सकारात्मक टिप्पणियों और सद्भाव के अनगिन उदाहरणों को नजरंदाज करने वाले लोग क्या चाहते हैं? सबसे बड़ा सवाल यह है कि कानून या संविधान क्या कहता है? इन दंगों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अक्सर यह दावा करती रही है कि उसके राज में दंगे नहीं होते? क्या उसके शासन पर कोई साजिशन दंगे के दाग लगाना चाहता है? सुरक्षा एजेंसियों को अमन बनाए रखने के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि नफरती बयार को काबू में करने के लिए हरेक कदम कानून-सम्मत उठाने पड़ेंगे। अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग किसी को नहीं करने देना चाहिए। ऐसे दंगे आर्थिक तरक्की को सीधे प्रभावित करते हैं। युवाओं को सकारात्मक कार्यों में व्यस्त करना जरूरी है। खाली पड़े सरकारी पदों को तत्काल प्रभाव से भरने की जरूरत है। सेना में भर्ती भी जरूरी है, ताकि युवा शक्ति का देश की मजबूती में वाजिब उपयोग हो सके। किसने कितनी नौकरी का वादा किया था, यह बात भूल जाइए, लेकिन गौर कीजिए, एक अनुमान के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें अगर चाहें, तो करीब 60 लाख युवाओं को नौकरी मिल सकती है। जिस विकसित भारत का सपना हम देख रहे हैं, उसके लिए अमन-चैन बुनियादी जरूरत है। जो भी देश दुनिया में अपनी मेहनत से विकसित हुए हैं, उनके शासन-प्रशासन से हमें सीखना चाहिए। बेशक, आज विकास के जरूरी तत्वों-संसाधनों को जोड़े रखने के लिए सद्भाव भरे वचनों-वक्तव्यों की जरूरत है।

विपक्ष की हाय तौबा से भाजपा को फायदा

लेकिन सवाल है कि भाजपा के नेता भी अगर बेईमान हों तो क्या इससे विपक्ष के नेताओं की बेईमानी ईमानदारी में बदल जाएगी? हो सकता है कि भाजपा के नेता भी बेईमान हों लेकिन इस वजह से कांग्रेस या दूसरे दलों के नेताओं पर होने वाली कार्रवाई को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। यह नैतिकता का सवाल हो सकता है लेकिन राजनीति नैतिकता से नहीं चलती है। सो, विपक्षी पार्टियों को हाय तौबा मचाने की बजाय जांच का सामना करना चाहिए, कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और साथ साथ राजनीतिक लड़ाई भी लड़नी चाहिए ताकि उन्हें भी मौका मिले और वे भी अपने हिसाब से एजेंसियों का इस्तेमाल कर सकें।

कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के नेताओं के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। लगभग सभी के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों- सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि एकाध अपवादों को छोड़ दें तो गिरफ्तारी किसी की नहीं हुई है। उलटे जो लोग पहले से केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में थे उनकी रिहाई हो गई है। केंद्र की पिछली यूपीए सरकार के समय 2जी घोटाले का सबसे बड़ा हल्ला मचा था लेकिन इसके सारे आरोपी सीबीआई की विशेष अदालत से बरी हो गए हैं। बाकी घोटालों जैसे कोयला घोटाला, आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला, एंट्रिक्स-देवास घोटाला आदि की भी कहीं चर्चा नहीं होती है। विपक्ष के नेताओं की नए नए मामलों में जांच चल रही है और सबके सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। यंग इंडियन और एसोसिएटेड जर्नल्स के केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों उलझे हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियां उनके साथ साथ मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल से भी पूछताछ कर रही हैं। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज जब तक जीवित थे, तब तक उनसे भी पूछताछ होती थी। बरसों से यह मामला एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाया है।

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का दायरा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक है। क्रिकेट एसोसिएशन और बैंक घोटाले में कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों से पूछताछ हुई है तो केरल के मुख्यमंत्री तक सोने की तस्करी की जांच पहुंची है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के कोई 14 नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जांच चल रही है तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी व उनकी पत्नी सहित तृणमूल के एक दर्जन नेताओं पर जांच चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी, शिव सेना, डीएमके, अन्ना डीएमके से लेकर ईमानदार राजनीति करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी तक कोई भी दल नहीं है, जिसके बड़े नेताओं के खिलाफ जांच नहीं चल रही है या जिनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की तलवार नहीं लटकी हुई है। ध्यान रहे जांच सबकी चल रही है, छापे पड़ रहे हैं और पूछताछ भी हो रही है लेकिन गिरफ्तार सिर्फ दो-तीन नेता ही हुए हैं। वह भी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं, बल्कि दूसरी-तीसरी पंक्ति के नेता। क्या विपक्षी पार्टियों को इसका मतलब नहीं समझ रहा है? इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार उनकी साख खराब करने का काम कर रही है। उनको डिसक्रेडिट किया जा रहा है। आम लोगों के मन में उनकी छवि बेईमान नेता की बनाई जा रही है। ऐसा नहीं है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे हुए हैं। मामले पुराने भले हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का आधार है। आरोप छोटा हो या बड़ा लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई ने आम लोगों के मन में विपक्ष के नेताओं की छवि खराब की है। पहले नेता पर आरोप लगते थे या गिरफ्तारी होती थी तो उनके प्रति लोगों की सहानुभूति बढ़ती थी, उनके समर्थक एकजुट होते थे लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। क्योंकि अब नेताओं पर कार्रवाई राजनीतिक मुकदमे में नहीं हो रही है, बल्कि भ्रष्टाचार के मुकदमे में हो रही है। नेता संपूर्ण क्रांति आंदोलन या अयोध्या आंदोलन, निजीकरण, उदारवाद, महंगाई आदि के विरोध प्रदर्शन में नहीं पकड़े जा रहे हैं। आंदोलन तो नेता लोग ट्विटर पर कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई तो कर चोरी, धन शोधन या भ्रष्टाचार से जुड़े दूसरे मामलों में हो रही है।

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर विपक्षी पार्टियां जिस तरह से हाय तौबा मचा रही हैं उससे भी इसका प्रचार हो रहा है। एक तरफ सरकार और सत्तारूढ़ दल का मीडिया व सोशल मीडिया में प्रचार है और ऊपर से विपक्षी पार्टियां हाय तौबा मचा कर खुद ही इसका प्रचार कर दे रही हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को बदले की कार्रवाई बताती हैं और एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जब सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था तब तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली ही सरकार थी! क्या कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों ने तब इन एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं किया था? कांग्रेस ने तो अपने ही लोगों के खिलाफ इन एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया था। अपने पिता के निधन के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा कर रहे जगन मोहन रेड्डी को कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई के तहत जेल भेजा था। कांग्रेस के समर्थन से झारखंड के मुख्यमंत्री बने मधु कोड़ा के खिलाफ कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई की थी। सुरेश कलमाडी से लेकर मारन बंधुओं और कनिमोझी तक के खिलाफ क्या कांग्रेस के समय केंद्रीय एजेंसियों ने तटस्थता से काम किया था? क्या राज्यों में जहां गैर भाजपा दलों की सरकार है वहां पुलिस निष्पक्ष और तटस्थ होकर काम कर रही है? असल में विपक्षी पार्टियों ने जो बोया है वह काट रहे हैं। इस तर्क से उनका बचाव नहीं हो सकता है कि उनके समय केंद्रीय एजेंसियों का कम दुरुपयोग हुआ और अब ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है या उनके समय मामला ढका-छिपा था और अब खुलेआम हो रहा है। उलटे केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी पार्टियां जितना हाय तौबा मचाती हैं उतना उनका नुकसान होता है। लोगों में यह धारणा बनती है कि अगर नेता ने कोई गड़बड़ी नहीं की है तो कार्रवाई से क्यों डर रहा है। ध्यान रहे सीबीआई सहित तमाम केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ तमाम प्रचार के बावजूद उनकी साख बहुत खराब नहीं हुई है। इसका कारण यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद भी हर घटना पर सीबीआई जांच की मांग करती रहती हैं। आम लोग भी कोई घटना होने पर सीबीआई जांच की मांग करते हैं। अदालतें किसी गंभीर मामले को उठाती हैं तो सीबीआई जांच की सिफारिश करती हैं। एक सवाल यह भी उठता है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भाजपा नेताओं के खिलाफ क्यों नहीं होती है? कोई भी नेता भाजपा में शामिल हो जाता है उसकी जांच क्यों बंद हो जाती है? क्या भाजपा के सारे नेता दूध के धुले हैं? हकीकत यह है कि कोई दूध का धुला नहीं है। एक बार जिस पार्टी या नेता ने राज कर लिया या शासन में रह लिया उसके ईमानदार रहने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। लेकिन सवाल है कि भाजपा के नेता भी अगर बेईमान हों तो क्या इससे विपक्ष के नेताओं की बेईमानी ईमानदारी में बदल जाएगी? हो सकता है कि भाजपा के नेता भी बेईमान हों लेकिन इस वजह से कांग्रेस या दूसरे दलों के नेताओं पर होने वाली कार्रवाई को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। यह नैतिकता का सवाल हो सकता है लेकिन राजनीति नैतिकता से नहीं चलती है। सो, विपक्षी पार्टियों को हाय तौबा मचाने की बजाय जांच का सामना करना चाहिए, कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और साथ साथ राजनीतिक लड़ाई भी लड़नी चाहिए ताकि उन्हें भी मौका मिले और वे भी अपने हिसाब से एजेंसियों का इस्तेमाल कर सकें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा बाईपास पर ट्रक ने मारी कार को टक्कर

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा बाईपास पर ट्रक द्वारा कार को टक्कर मारने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में विश्वसनीय सूत्र द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल सोमवार दोपहर के समय में शीलफाटा स थाने की ओर जा रही कार को पीछे से ट्रक ड्राइवर ने टक्कर मार दी जिससे कार बुरी तरह से सामने की तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई इस मामले में कार चालक प्रवीण भोईर द्वारा यह बताया जा रहा है कि मैं शीलफाटा से थाना जा रहा था तभी ट्रक ने पीछे से मेरी कार पर टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोर से मारी की

मेरी कार पूरी घूम कर उसके सामने आ गई और ट्रक ड्राइवर द्वारा मेरी कार को कुछ दूर तक घसीट कर ले गया यह दुर्घटना लाल किला ढाबा के पास हुई जिसमें मुझे चोट भी लगी है और मेरी कार बुरी तरह से सामने से क्षतिग्रस्त हो गई है वहीं दूसरी ओर ट्रक चालक नवनीत द्वारा यह बताया जा रहा है कि रास्ते में छोटा सा मोड़ होने के कारण यह दुर्घटना हो गई इस घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक विभाग के कर्मचारी और मुंब्रा पुलिस के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर कार को धक्का मार के साइड में खड़ा कर दिया गया और दोनों लोगों की मुंब्रा पुलिस द्वारा लाइसेंस लेकर मुंब्रा पुलिस स्टेशन ले गए इस दुर्घटना में काफी देर तक थाने की ओर जाने वाला यातायात जाम रहा।

मुंब्रा रेती बंदर पर सब्जी से भरा ट्रक और ओला कार की टक्कर से हुई भारी दुर्घटना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। 18 अप्रैल सोमवार रात 2:00 बजे सब्जी से भरा ट्रक और ओला कार की टक्कर से हुई भारी दुर्घटना का मामला प्रकाश में आया है विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सब्जी से भरा ट्रक रात के समय में रेती बंदर परिसर से गुजर रहा था ओवरटेक के चक्कर में सब्जी से भरा ट्रक ओला कार से जा टकराया जिससे ओला कार सामने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और सब्जी से भरा ट्रक पलटी हो गया इस दुर्घटना में ओला चालक गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय रहवासियों की मदद से ओला कार चालक को कार से बाहर निकाला गया और घायल अवस्था में कलवा छत्रपति शिवाजी अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया जिसमें मौका पाकर ट्रक चालक फरार हो गया लेकिन रहवासियों द्वारा क्लीनर को पकड़ कर मुंब्रा पुलिस के हवाले कर दिया गया क्रेन की मदद से सब्जी के भरा ट्रक जो पलटी हो गया था उसको और कार को उठाकर किनारे कर दिया गया।

संजय राउत का राज ठाकरे पर हमला, राजनीतिक मकसद से अयोध्या जाने पर नहीं मिलता रामलला का 'आशीर्वाद'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में अयोध्या जाने को लेकर वार-पलटवार का सिलसिला शुरू हो गया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे और महाराष्ट्र में मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे दोनों ने अयोध्या यात्रा की घोषणा की है। ऐसे में शिवसेना नेता संजय राउत ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी को हमेशा भगवान राम का आशीर्वाद मिला है क्योंकि उसकी अंतरात्मा साफ है। राज ठाकरे पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि राजनीतिक मकसद से अयोध्या जाने वालों को

भगवान राम का आशीर्वाद नहीं मिलता। संजय राउत ने कहा कि शिवसैनिक अक्सर अयोध्या जाते रहते हैं और उनका उस शहर से मजबूत नाता है। अयोध्या से हमारे रिश्ते राजनीतिक या चुनावी दृष्टिकोण वाले नहीं हैं। हम जब सत्ता में नहीं थे तब भी अयोध्या जाते थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद, उद्धव ठाकरे दो बार वहां जा चुके हैं। राउत ने कहा कि हम कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से वहां नहीं जा सके। राम लला का आशीर्वाद लेना हमारा अधिकार है। हमने वहां अनेक काम किये हैं।

'राजनीतिक मकसद से जाने पर मदद नहीं करेंगे राम लला': राउत ने राज ठाकरे पर हमला करते हुए कहा कि शिवसेना को हमेशा अयोध्या और भगवान राम का आशीर्वाद मिला है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी अंतरात्मा साफ है। हम आस्था के कारण वहां जाते हैं। अगर आप राजनीतिक मकसद से जाएंगे तो राम लला मदद नहीं करेंगे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

धुले में करोड़ों के जब्त किये गये गुटखा मामले में मुख्य गुटखा माफिया की तलाश

बता दें कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि इतनी भारी मात्रा में जब्त गुटखा धुले के रास्ते दिल्ली से मुंबई लाया जा रहा था। सूत्रों से यह पता चला है कि यह जब्त गुटखा अब्दुल्ला का था और दिल्ली से धुले के रास्ते होते हुये मुंबई लाया जा रहा था। धुले पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी बड़ी संख्या में गुटखा तस्करों के पीछे और कौन-कौन है। धुले पुलिस ने कहा कि हम जल्द से जब्त किये गये गुटखा के मुख्य तस्करों को भी गिरफ्तार करके उनपर सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। जब्त किये गये गुटखा में सबसे ज्यादा 4K Star गुटखा और एसएचके सुगंधित पानमसाला था। आपको बता दें कि देश का सबसे बड़ा गुटखा माफिया मलाड पूर्व पठानवाडी का रहने वाला अब्दुल्ला। अब्दुल्ला 4K Star गुटखा का बहुत बड़े पैमाने पर कारोबार करता है। अब्दुल्ला लॉकडाउन में भी तकरीबन 10 करोड़ से ज्यादा का गुटखे का कारोबार किया था। अंधेरी डी.एन.नगर पुलिस स्टेशन में गुटखा माफिया अब्दुल्ला व इसके साथी के खिलाफ केस भी दर्ज है, लेकिन उसके बावजूद गुटखा माफिया अब्दुल्ला बिना किसी डर के खुलेआम अपने अवैध काम को चला रहा है। आपको बता दें कि सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गुटखा माफिया अब्दुल्ला इन गुटखा में तरह-तरह की नशीली पदार्थों को मिलाकर मासूम छोटे बच्चों को मौत के मुंह में धकेल रहा है। महाराष्ट्र सरकार व मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे से अपील है कि मलाड पूर्व पठानवाडी का रहने वाला गुटखा माफिया अब्दुल्ला पर सख्त कार्रवाई की जाये।

बीजेपी की सहयोगी आरपीआई का ऐलान

कई सालों से मस्जिद में लाउडस्पीकर लगे हैं। लाउडस्पीकर को लेकर क्या करना है। उसपर मुस्लिम समाज विचार कर सकता है। हालांकि मुझे लगता है कि यह धर्म के लोगों को दूसरे धर्म का आदर करना चाहिए। अठावले ने कहा कि नवरात्र और अन्य उत्सवों पर भी लाउडस्पीकर बजाया जाता है। मस्जिद पर लगे लाउडस्पीकर निकालने वाली राज ठाकरे की भूमिका का हम कड़ा विरोध करते हैं। राज ठाकरे को अगर मंदिर पर भी लाउडस्पीकर लगाने हैं तो वह लगा सकते हैं। अगर मस्जिद के लाउडस्पीकर निकाले जाते हैं तो रिपब्लिकन पार्टी उसका कड़ा विरोध करेगी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के सर्वेसर्वा केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने को लेकर जो बयान दिया है। उससे वह बीजेपी के निशाने पर आ गए हैं। आपको बता दें कि सबसे पहले बीजेपी के युवा नेता मोहित कंबोज ने ही इस लाउडस्पीकर के मुद्दे को उठाया था। बीजेपी ने रामदास अठावले को राज्यसभा भेजकर केंद्र सरकार में मंत्री भी बनाया है। ऐसे में उसके हिंदुत्व वाले मुद्दे पर सवाल खड़ा करना बीजेपी की खिलाफत करने के बराबर है।

शरद पवार ने साधा बीजेपी पर निशाना

उन्होंने कहा कि वहीं राज्य में शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की घटक राकांपा लोगों के बीच सद्भाव का माहौल बनाने में सबसे आगे है। पवार ने कई ट्वीट करके कहा कि सांप्रदायिक विचारधारा का प्रसार 'चिंता का विषय' है। उन्होंने कहा कि राकांपा आम नागरिकों से संबंधित मुद्दों जैसे कि पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद्य तेल की कीमतों में वृद्धि को उठाएगी। पवार ने मराठी में ट्वीट किया, आज भाजपा और उसके सहयोगी देश में सांप्रदायिक स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हम लोगों में जागरूकता पैदा करने, लोगों के बीच समानता का माहौल बनाने में शामिल हैं। मध्य प्रदेश, गुजरात और झारखंड जैसे राज्यों में रामनवमी के दौरान हिंसा देखी गई, जबकि शनिवार को दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती पर शोभायात्रा के दौरान झड़पें हुईं, जिसमें नौ पुलिसकर्मी और एक स्थानीय नागरिक घायल हो गया। महाराष्ट्र में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने ध्वनि प्रदूषण का हवाला देते हुए एमवीए सरकार को तीन मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए कहा है और मांग पूरी नहीं होने पर मस्जिदों के बाहर तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाने की धमकी दी है। भाजपा ने राज ठाकरे की मांग का समर्थन किया है। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर यह भी कहा कि कई नेताओं ने भाजपा के विरोधी दलों को साथ लाने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें लिखित में इसकी जानकारी दी है।

जयपुर में श्री राजपूत सभा के चुनाव में राम सिंह चंदलाई 1783 मतों से विजयी हुए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। श्री राजपूत सभा जयपुर के त्रि-वार्षिक चुनाव श्री राजपूत सभा, जगतपुरा छात्रावास-अक्षय पात्र के पास, महल योजना, जगतपुरा (जयपुर) में सम्पन्न हुआ। उसमे अध्यक्ष पद के लिए राम सिंह चंदलाई विजयी हुए। राम सिंह चंदलाई को 4437 मतों में से 2704 मत प्राप्त किये। इस प्रकार से अपने प्रतिद्वंद्वी बद्री सिंह राजावत से 1783 मत अधिक मिलकर जीत दर्ज हुई। कुल 4437 मतों में से बद्री सिंह राजावत को 921 मत, राम सिंह चंदलाई को 2704 मत, सुरेंद्र सिंह शाहपुरा को 672 मत व सोहन सिंह नाथावत को 45 मत मिले व रद्द 95 मत हुए। इस प्रकार से राम सिंह चंदलाई श्री राजपूत सभा प्रान्तीय जयपुर त्रिवार्षिक चुनाव -2022-25 के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए व इसके अतिरिक्त चुनावों में श्री राम सिंह चंदलाई व उनके पैनल के उम्मीदवार भी भारी मतों से विजयी हुए। रावल रघुवीर सिंह धुला, शिव सिंह भुरटिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रभारी राजस्थान, अखंड राजपुताना सेवा संस्थान, दिल्ली व शत्रुंजय कुमार सिंह, समाजसेवी देविका सिंह तंवर, लोकेन्द्रसिंह शेखावत पीथलपुर, करणी कृपा फाउंडेशन की संस्थापक करिश्मा हाड़ा, भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव गणेश शर्मा ने शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री गणेश नारायण शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर में एटीएम हैकरों से सिपाहियों की सांठगांठ, तीन की जांच शुरू

कई प्रांतों के लोगों को शिकार बनाने में सफल चल रहे कानपुर के एटीएम हैकर

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां एटीएम हरकतों से पुलिस की सांठगांठ का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। ऐसे ही तीन सिपाहियों के नाम प्रकाश में आने के बाद पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने उनकी जांच शुरू करा दी है। आरोपों की पुष्टि के बाद उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाही की जायेगी। कुल मिलाकर अपराधियों से पुलिस का गठजोड़ यहां लगातार जारी है। मामला चकेरी थाने से सम्बन्धित है। जहां जिला अपराध रिकार्ड ब्यूरो (डीसीआरबी) और क्राइम ब्रांच में तैनात दो सिपाही हाल ही में केरल से लौटे एटीएम हैकर व उसके साथी से डीलिंग करते पाये गये। यही नहीं एक सिपाही हैकर की बाइक और कार का भी इस्तेमाल काफी समय से कर रहे हैं। फिलहाल इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने अधिकारियों ने दबिश देकर एटीएम हैकर और एक सिपाही को मौके से पकड़ा। वहीं हैकर के साथी की तलाश की जा रही है। जानकार सूत्रों की माने तो इस सिपाही ने क्राइम ब्रांच के दो और सिपाहियों को अपने ग्रुप में शामिल कर लाभ पहुंचाना शुरू कर दिया। शातिर एटीएम हैकर अमित चौहान को तीनों सिपाही संरक्षण दे रहे थे। ऐसी नहीं अमित चौहान ने अपने ही एक हैकर साथी को सिपाहियों की मदद से उठवाया। जिसे सभी ने मिलकर एक होटल में रखा था। अमित चौहान ने मध्यस्थता कराई और मोटी रकम सिपाहियों को देने के बाद उसे छुड़वा दिया। अधिकारियों ने एटीएम हैकर और क्राइम ब्रांच के सिपाही को दबोचा। इसी के साथ सट्टा संचालक के जिम और होटलों में डीलिंग की बात सामने आयी है। अब इसकी जांच डीसीपी अपराध और एडीसीपी अपराध कर रहे हैं। जिसके बाद उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाही होना तय माना जा रहा है।

रालोजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल की जयंती: लक्ष्मी सिन्हा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। बिहार औरंगाबादः राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव लक्ष्मी सिन्हा ने बताया कि औरंगाबाद जिला अंतर्गत गोह प्रखंड स्थित पहाड़ीपुरा गांव में बाबा शिरोमणि चौहरमल जी का प्रतिमा का अनावरण एवं माल्यार्पण राष्ट्रीय लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज के द्वारा किया गया, इसमें मुख्य रूप से अतिथि लेबर सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम जी सिंह, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्मिता शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव लक्ष्मी सिन्हा, आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष शिवम कुमार, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर जी एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, लक्ष्मी सिन्हा ने बताया कि औरंगाबाद जाने के क्रम में विभिन्न प्रखंडों के कार्यकर्ता गण नेतागण पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज जी को भव्य स्वागत किया सिन्हा ने बताया कि डॉ स्मिता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा शिरोमणि चौहरमल दलितों का मसीहा थे एवं सच्चा इंसान थे उन्होंने गरीबों के लिए हमेशा संघर्ष किया है हम सभी को इनसे सीख लेनी चाहिए।

जोधपुर में रावणा राजपूत समाज की मातृशक्ति द्वारा मनोज कुमार का स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान अखिल राजस्थान रावणा राजपूत महासभा के सदस्य और रावणा राजपूत समाज के गौरव श्री मनोज कुमार को तीसरी बार एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी चुना गया हैं! इस अवसर पर रावणा राजपूत महासभा की महिला शक्ति द्वारा मनोज कुमार का माला पहनाकर स्वागत किया गया है! इस अवसर पर मनोज कुमार ने कहा कि वह इस पद पर रहते हुए अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वहन करेंगे तथा समाज के प्रति भी सकारात्मक सहयोग करेंगे! इस अवसर पर श्रीमती आशा कंवर जोधा, श्रीमती कृष्णा पवार, अरुणा भाटी, किरण कंवर, कृष्णा कवर, विजयलक्ष्मी आदि समाज की मातृशक्ति उपस्थित थी! उक्त जानकारी जोधपुर के रावणा राजपूत समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी श्री लान्डे द्वारा प्राचीन देवी मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान चांदीवली विधानसभा के अन्तर्गत प्राचीन देवी जी के मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार वरिष्ठ समाजसेवी श्री दिलीप मामा लान्डे के द्वारा किया गया! गौरतलब हैं कि इस मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ने माँग की थी कि मंदिर का नवीनीकरण हो जिस पर मुम्बई चांदीवली विधानसभा के अन्तर्गत वार्ड नम्बर 156 से नगरसेविका श्रीमति अश्वनी अशोक माटेकर ने इस शुभ कार्य को प्रगति देते हुए मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा करवाया! जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने पूजा अर्चना की और साथ में लगे भंडारे में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया! इस अवसर पर लोगों में इस मंदिर की आस्था देखते हुए जबरदस्त उत्साह था! प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने नगरसेविका श्रीमती अश्विनी अशोक का दिल से आभार जताया है! उक्त जानकारी प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भादोला में जलापूर्ति योजना के कार्य तत्काल प्रारंभ करे

जीवन प्राधिकरण कार्यालय पर ग्रामीणों ने दिया धरना

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। तहसील के भादोला में जलस्वराज्य भाग 2 के तहत नलसाजी योजना का काम शुरू कर दिया गया है। हालांकि इस काम की अवधि 18 महीने है, लेकिन चार साल बाद भी इसे पूरा नहीं किया जा सका है। इसके चलते ग्रामीणों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण कार्यालय के ठेकेदार व कुछ कर्मचारियों की लापरवाही से ग्रामीणों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। यह आरोप लगाते हुए कि अभियंता ने ठेकेदार के समर्थन का काम किया है जबकि जीवन प्राधिकरण के इंजीनियरों की जिम्मेदारी है कि वह निर्धारित समय के भीतर काम पूरा करे, नलसाजी के लिए ग्रामीणों से ग्राम पंचायत द्वारा लिए गए 1041 रुपये के बदले में नागरिकों को नलसाजी प्रदान की जानी चाहिए। अन्य मांगों सहित 18 अप्रैल को भदोला के ग्रामीणों ने जीवन प्राधिकरण कार्यालय में धरना दिया। इस आंदोलन पूर्व सरपंच संजय गवई, अनंता मिसाळ, राजू गवई, रिना आराख, अनिता थिगळे, शबाना बी शे. रजाक, शेख महमूद शे. गफुर, भारत ठेंग, शे. रउफ शे. गुलाब नबी, मोहन सरकटे और अन्य ने भाग लिया था।

कानपुर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर कर्नलगंज के एसीपी ने शुरू किया अभियान

करनैलगंज में किया गया ज्यादा बच्चे बैठा ले जाने ई रिक्शों का चालान

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की कमिश्नरेट पुलिस में उन सभी ई रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है, जो किराए के रूप में अधिक कमाई करने के चक्कर में सुरक्षा मानकों के विपरीत ज्यादा बच्चे बैठा कर ले जाते हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले हर तरह के अपराधों के बचाव के लिए ई रिक्शा चालकों के खिलाफ शहर में पहली बार यह अभियान कर्नलगंज के एसीपी त्रिपुरारी पांडे ने शुरू किया है। आज मंगलवार को उन्होंने ज्यादा बच्चे बैठा कर ले जाने वाले कई ई - रिक्शों का चालान कर दिया। अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में भी ऐतिहासिक रूप से अव्वल साबित हो चुके करनैलगंज के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल एसीपी त्रिपुरारी पांडे ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से यह अभियान हाल फिलाल लगातार चलता रहेगा। अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित कठोर परिश्रमी एसीपी प्रभारी पांडे ने इस बीच अभिभावकों से भी ई - रिक्शों में ज्यादा बच्चे नहीं बैठा जाने की भी अपील करते हुए उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की भी बात कही। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ऑटो बस टेंपो ई-रिक्शा मारुति वैन गाड़ियों पर भी निगाह रख कर उनकी सारी चेकिंग की जा रही है और यह कार्यक्रम जारी रहेगा। ए सी पी त्रिपुरारी पांडे ने अभिभावकों से भी अपने बच्चों का ध्यान देने और उन्हें सुरक्षित हाथों में भेजे जाने की भी अपील की। लोक हित में अपनी विभागीय कर्तव्यनिष्ठा के प्रति पूरी तरह से समर्पित डीएसपी त्रिपुरारी पांडेय ने अभिभावकों से यह भी कहा कि यह जरूर जानकारी प्राप्त कर लें कि जो जिस वाहन को चला रहा है, कहीं नशे में तो नहीं है या किसी और प्रकार से किसी रोग से पीड़ित तो नहीं है।

जोधपुर में धींगा गवर त्यौहार की धूम मची, लोगों में अपार उत्साह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान जोधपुर में धींगा गवर का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा हैं! चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 2 स्तिथ धींगा गवर पूजन के लिए सरोवर से गवर माता के पूजन के लिए जल लाने के लिए तीजणियों की टोली अध्यक्ष श्रीमती सुनीता कल्ला जोशी के अगुआई में संतोष जी, प्रतिभा कल्ला, रानीव कल्ला, नीतू पुरोहित, कल्पना पुरोहित, मुस्कान जोशी, खुशी कल्ला, गार्गी बिस्सा आदि ने 16 दिनों तक पूजन किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों में इस त्यौहार के प्रति खासा उत्साह देखा गया है! उक्त जानकारी रावणा राजपूत समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शिक्षा व सेवा का अदभुत समन्यवक थे महात्मा हंसराज जी: अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में डी ए वी शिक्षण संस्थान के संस्थापक महात्मा हंसराज जी के 158 वें जन्मदिन पर 'आर्य समाज से युवा कैसे जुड़े' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि आपका जन्म 19 अप्रैल 1864 को होशियार पुर,पंजाब में हुआ था।वह कोरोना काल में 386 वां वेबिनार था।मुख्य वक्ता शिक्षाविद अतुल सहगल ने कहा कि युवाओं की समस्याओं से रुबरु होकर उनकी समस्याओं का निदान आर्य समाज को करना होगा व रोजगार दिलाने में भी उनकी सहयोग योजना बनानी होगी। उन्होंने आर्य समाज के छठे नियम को प्रस्तुत करते सामाजिक उद्देश्य को स्पष्ट किया।वैदिक विचारधारा के उन सूत्रों को जो विषय से सम्बंधित थे, पुनः सामने रखा। युवा वर्ग की शक्ति, उसके योगदान और महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने डी ए वी शिक्षण संस्थानों के संस्थापक महात्मा हंसराज जी को स्मरण करते हुए कहा कि उनका शिक्षा के क्षेत्र में योगदान सराहनीय रहा है! डी ए वी ने स्वतंत्रता संग्राम में कई क्रांतिकारी प्रदान किये।बाढ़ हो या भूकंप हो महात्मा हंसराज के नेतृत्व में अदभुत सेवा कार्य किया गया। घर वापिसी शुद्धिकरण अभियान को भी महात्मा हंसराज ने तीव्र गति दी और हजारों मुस्लिम बन चुके हिन्दुओं को शुद्ध कर घर वापस लाए। ऐसे मानवता के उपासक के जीवन दर्शन व गुणों को धारण करने की आवश्यकता हैं। मुख्य अतिथि इन्दु मेहता व अध्यक्ष सुधा शर्मा ने भी अपनी संतानों को आर्य समाज से जोड़ने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने भी सेवा व मानवता को जीवन में अपनाने पर बल दिया। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, कुसुम भंडारी, विजय खुल्लर, कमला हंस, जनक अरोड़ा, इन्दु आर्या, विजय चोपड़ा, सुषमा गोगलानी, उमा मिगलानी आदि के मधुर भजन हुए! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

मदिना मुनव्वरा साउदी खजूर
होलसेल के दाम, डोर टु डोर डिलीवरी कुरीयर के जरीये
सभी दाम Per kg कुरीयर चार्ज अलग से
अजवा जम्बो ..... 1050 | अजवा स्मोल 585
अजवा (अे) रेग्युलर ..... 780 | कल्मी रेग्युलर 495
zam zam water 5 Ltr. is available
मिनीमम ऑर्डर 1kg
5 kg पर 1 kg फ्री
DELUXE
ऑर्डर करने के लिए संपर्क करें : 9619102478

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हिंदू भगवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सत्यप्रकाश शर्मा द्वारा की गई लाखों रुपये की ठगी

हिंदुत्व के नाम पर लोगों से करता है धन उगाही

अजय शर्मा बोलता है मेरी सेटिंग बीजेपी के बड़े बड़े नेताओं से है और पैसे मांगने पर देता है जान से मारने की धमकी

संवाददाता/अजय उपाध्याय

शाहदरा/दिल्ली। देश के सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी तथा दिल्ली प्रदेश के मुखिया अरविंद केजरीवाल जी प्रत्येक नागरिक को न्याय सुरक्षा मुहैया कराने के लिए हर संम्भव प्रयास कर रहे है इसके बावजूद भ्रष्टाचार खत्म होने के बजाय बढ़ता जा रहा है यह मामला दिल्ली मानसरोवर पार्क पुलिस चौकी शाहदरा अंतर्गत हिन्दू भगवा वाहिनी रजि. संख्या.1856/17 से जुड़ा हुआ है संस्था के संस्थापक अजय सत्यप्रकाश शर्मा हाउस न. 21 गली न. 2 नत्थू कालोनी नियर शिव मंदिर शाहदरा दिल्ली द्वारा पहले हिंदुत्व के नाम पर संस्था में जोड़ता है उसके बाद रोजगार के का प्रलोभन देकर हिन्दू भगवा वाहिनी फ्यूचर टेक्नोलॉजी लिमिटेड में लोगो जोड़ता है औरधीरे -धीरे धन उगाही का कार्य करता है मैं अजय उपाध्याय (पत्रकार) मुंबई से आप सभी भाई और बहनों को अवगत कराना चाहता हुं की अजय सत्यप्रकाश शर्मा ने जून 2020 से अगस्त 2020 तक हिन्दू भाइयो व बहनो को रोजगार मुहैया कराएंगे ऐसा कहके 1.37000 (एक लाख सैत्तीस हजार) रुपयों अपने बैंके खाते में गुगल पे के माध्यम से ठगी की है उसने मुझसे बताया सभी हिन्दू भाई व बहनो को रोजगार देंगे उल्ट उसने सभी पैसो को अपने निजी आफिस में प्रयोग कर कार्यालय को भाड़े पे दे रखा है और सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कई महिलाओं का शोषण भी किया है। जहा लोगो को कोरोना महामारी से सभी को अपनी जीविका चलाने में परेशानी हो रही थी ऐसे में हिन्दू भगवा वाहिनी का संस्थापक अजय सत्यप्रकाश शर्मा द्वारा झोल झाल ठगी का सिलसिला जारी था अजय शर्मा ने दिल्ली के शहरी विकास मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी विक्रम दत्त शर्मा से 3.50000 (तीन लाख पचास हजार) जगदेव शर्मा 1.50000 (एक लाख पचास हजार) रवि रतन शर्मा 2.50000 (दो लाख पचास हजार) कुमारी बंदना 2,29000 (दो लाख उनतीस हजार) व श्रीमती कविता प्रसाद से 1,27000 (एक लाख सत्ताइस हजार) रुपयो का रोजगार का प्रलोभन देकर ठगी की है और कईओ से संस्था के शुल्क और नियुक्ति पत्र के नाम पर ठगी की है इस जालसाझी कि लिखित शिकायत तहरीर श्रीमती कविता प्रसाद ने मानसरोवर पार्क पुलिस चौकी में की है जब भी सभी लोग अपना पैसा मांगते है सभी से अभद्र भाषा और गाली गलौज और कोर्ट की धमकी देता है। मैं दिल्ली प्रदेश के मुखिया आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी से अपील करता हुं की ऐसे जालसाझ ठगबाज जो कि हिंदुत्व के नाम पर भोले भाले भाई व बहनो को हिंदुत्व के नाम पर रोजगार का प्रलोभन देकर उनके साथ ठगी करते है ऐसे संस्थापक व संस्था पर कड़क व कठोर कार्रवाई की जाए जिससे और भोले भाले हिन्दू भाई बहन इनके ठगी का शिकार ना हो।

दिल्ली प्रदेश के मुखिया आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी से अपील करता हुं की ऐसे जालसाझ ठगबाज जो कि हिंदुत्व के नाम पर भोले भाले भाई व बहनो को हिंदुत्व के नाम पर रोजगार का प्रलोभन देकर उनके साथ ठगी करते है ऐसे संस्थापक व संस्था पर कड़क व कठोर कार्रवाई की जाए जिससे और भोले भाले हिन्दू भाई बहन इनके ठगी का शिकार ना हो

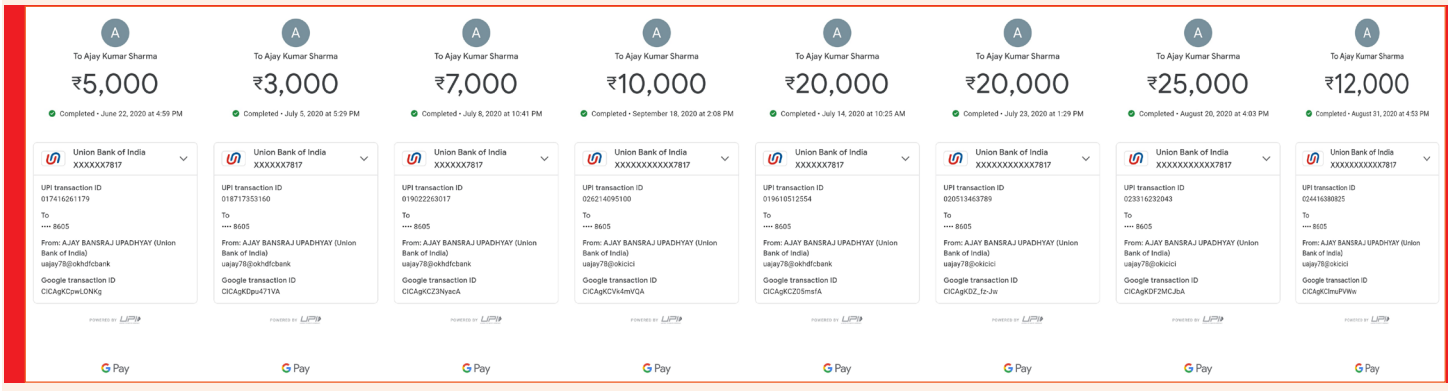

अजय शर्मा को गूगल पे के माध्यम से उसके पर्सनल अकाउंट में ट्रांसफर की गई धनराशि का स्क्रीनशॉट

राज ठाकरे और कपिल मिश्रा जैसे लोगों पर सरकार कार्रवाई करे, नहीं तो जनता के हवाले करे : नजरे आलम

मधुबनी। राज ठाकरे के देश विरोधी ब्यान की कड़ी निन्दा करता हूं और सरकार से इसके ऊपर देश विरोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग करता हूं। अगर सरकार ऐसे देशद्रोही पर काबू नहीं पा सकती तो जनता के हवाले करे। ऐसे देशद्रोहियों को कैसे सबक सिखाया जाता है जनता को मालूम है। उक्त बातें ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के अध्यक्ष नजरे आलम ने मिडिया से बात करते हुए कही। श्री आलम ने कहा के राज ठाकरे को भी हम बताना चाहते हैं के हमें कमजोर और बुजदिल न समझो। समय आने पर तुम जैसे को तुम्हारी भाषा में जवाब देना आता है। लेकिन हम मजबूर हैं, देश को कमजोर करने वाला कोई काम नहीं करना चाहते, देश के संविधान की धज्जियां उड़ाना नहीं चाहते। मगर तुम जैसे गुंडे, आतंकी, समाज दुश्मन और देशद्रोही पर अगर सरकार काबू नहीं पाएगी तो मजबूरन हमें भी तुम्हारे इस गीदरभपकी का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए 3 मई क्या हमेशा तैयार रहना होगा। मैं महाराष्ट्र सरकार और केन्द्र सरकार से मांग करता हूं के देश विरोधी काम करने वाले राज ठाकरे और कपिल शर्मा (दिल्ली) पर अविलम्ब मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करे। ताकि देश में बढ़ रहे धार्मिक फसाद पर काबू पाया जा सके।

25 वर्ष की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पदमपुर थानाधिकारी रामकेश मीना सम्मानित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पदमपुर पुलिस थाने में कार्यरत थानाधिकारी रामकेश मीना को 25 वर्ष के अपने कार्यकाल के दौरान बेहतर कार्य करने पर राजस्थान पुलिस बेदाग छवि उत्कृष्ट सेवा चिन्ह सम्मान प्राप्त हुआ हैं। सोमवार को श्रीगंगानगर में आयोजित पुलिस स्थापना दिवस कार्यक्रम में आईजी बीकानेर रेंज की ओर से सम्मानित किया गया। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमे नौकरी के दौरान बेहतर काम करने वाले पुलिस जवानों तथा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 25 साल से बेदाग छवि रखने वाले पदमपुर थानधिकारी रामकेश मीना को सर्विस के दौरान बेहतर कार्य करने के लिए आईजी बीकानेर रेंज ओमप्रकाश द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी श्रीगंगानगर की वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आलू बुखारा खाने के 10 कमाल के फायदे, वजन घटाने में भी मददगार

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आलूबुखारा,विटामिन और खनिजों का एक बहुत बढ़िया स्त्रोत है। आलूबुखारा जहां हमारे शरीर को कई रोगों से लड़ने में सक्षम बनाता है, वहीं कई पुराने रोगों को भी जड़ से खत्म करने के लिए है। यह एक ऐसा फ्रूट है जिसे कई तरीको से खाया जा सकता है, जैसे कि आप आलूबुखारे को ताजा या फिर सुखाकर खा सकते हैं। आलूबुखारे की जैम बहुत स्वादिष्ट बनती है। तो चलिए आज हम आपको आलूबुखारे के हैल्थ और स्किन को होने वाले फायदों को बारे में जानकारी देंगे।

सेहत को होने वाले फायदे

आंखों के लिए फायदेमंद - इसमें मौजूद जेक्सनथिन फाइबर आंखो के रोटीना को हैल्दी रखने में बहुत फायदेमंद है। इसी के साथ आलूबुखारा आंखों को सूरज की यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

कैंसर से बचाए -आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस कैंसर की बीमारी से बचे रहने में भी मदद करते हैं। इनमें मौजूद बीटा कैरोटिन शरीर को कैंसर जैसे रोगों से बचा कर रखते हैं। जिन लोगों को यह बीमारी है वे लोग भी अपने डॉक्टर से सलाह लेकर इनका सेवन कर सकतें हैं।

पाचनतंत्र के लिए - आलूबुखारे को नियमित सेवन करने से आपका पाचन तंत्र हैल्दी बनेगा। अगर आप कब्ज की प्रॉब्लम का सामना कर रहें हैं तो इसका सेवन आपके लिए बहुत जरुरी है। आलुबुखारे में मौजूद आइसटिन और सोर्बिटोल आपके पाचन तंत्र को हैल्दी बनाएगा और कब्ज जैसी प्रॉब्लम से छुटकारा दिलवाएगा।

कोलेस्ट्रोल को करें बैलेंस - अगर आपका कोलेस्ट्रोल बड़ा हुआ है तो आलूबुखारे का सेवन उसे कम करने में मदद कर सकता है। आलूबुखारे में मौजूद सोलियबल फाईबर आपके शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रोल को शरीर में से खत्म कर देता है।

वजन कम करने के लिए - वजन बैलेंस करने के में आलू बुखारे का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। 100 ग्राम आलूबुखारे में केवल 37 प्रतिशत कैलोरी होती है। यदि आप भी अपना वजन कम करने के बारे में सोच रहें हैं तो आलूबुखारे का सेवन आपकी भूख को कंट्रोल करके रखेगा। इसके सेवन से आप एर्नजेटिक फील करेंगे। डाईटिंग के दौरान इसके सेवन से आपको वीकनैस फील नहीं होगी।

रक्तचाप को करे बैलेंस - हाई बीपी के पेशेंट इसकी सेवन करके अपनी ब्लडप्रैशर की प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकते हैं। यह एक ऐसा फल है जिसके सेवन से शायद ही किसी को कोई नुकसान होता हो। दिन में आप 100 ग्राम आलूबुखारे का सेवन कर सकते हैं। किडनी के पेशेंट इनका सेवन अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही करें।

हड्डियों के लिए फायदेमंद - साथ ही हमारी हड्डियों को भी स्वस्थ रखता है।आलूबुखारे में मौजूद विटामिन-के हमारी बोनज की डेंसिटी को बढ़ाता है। ऑक्सीडेटिव तनाव के बढ़ने के कारण हमारी बोनज के टूटने का खतरा बना रहता है।आलूबुखारे में फाइटोन्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

मधुमेह में फयदेमंद - आलूबुखारे को शुगर के मरीज भी खा सकते हैं। इनका खट्टा-मीठा स्वाद शरीर में शुगर लेवल को नहीं बढ़ने देता। इससें शुगर को बढ़ाने वाले तत्व न मात्र पाए जाते हैं।

स्किन को होने वाले फायदे - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस हमारी त्वचा को लंबे समय तक जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। समय से पहले चेहरे पर आने वाली झुर्रियों से इसके डीप फ्रशिंग तत्व बचा कर रखते हैं। आप चाहें तो इससे फेस पैक भी तैयार कर सकते हैं। आपको 1 से 2 आलूबुखारे लेने हैं, जिसमें आधा चम्मच बेसन और शहद को मिला लेना हैं। अब इस फेस पैक को आपको हफ्ते में 2 बार 20 से 25 मिनट के लिए लगाना है। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में अपने फेस पर नैचुरल ग्लो देखने को मिलेगा।

आलूबुखारे के अन्य फायदे - आलूबुखारे की पत्तियों को पीसकर पेट पर लगाने से पेट के कीड़े मरते है। पित्त से जुड़े विकारों से छुटकारा पाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों को खाने के बाद एसिडिटी की प्रॉब्लम होती है, उन्हें खाने से 1 घंटा पहले आलूबुखारे के जूस का सेवन आवश्य करना चाहिए। आलूबुखारे के बीजों में से निकलने वाले बादामों के सेवन करने से खट्टे डकारों की प्रॉब्लम से छुटकारा पाया जा सकता है।

मिट्टी में खेलने से बच्चों को मिलते हैं यह Benefits

बड़े बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि मानव शरीर मिट्टी का बना है,यह एक दिन मिट्टी में ही मिल जाएगा। इसका जरुरत से अधिक ध्यान रखने से कुछ नहीं मिलेगा। आज के मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चों पर मिट्टी का एक कण भी नहीं लगने देते। पुराने जमाने के बच्चे सारा-सारा दिन मिट्टी में खेलते थे,शायद आज की नौजवान पीड़ी से कहीं अधिक वे स्वस्थ रहते थे। तो चलिए आज जानते हैं कि बच्चों को मिट्टी में खेलने देने से उन्हें क्या-क्या फायदे हो सकते हैं

मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्व - मिट्टी में खनिज, जल, वायु, कार्बनिक पदार्थ और अनगिनत जीवों के जटिल मिश्रण पाए जाते हैं । मिट्टी को पृथ्वी की त्वचा कहा जाता है। साथ ही यह शरीर को कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं। पुराने जमाने में कोई चोट लग जाने पर खास मिट्टी को लेप लगाकर ही चोट के ठीक किया जाता था। मुल्तानी मिट्टी का फेसपैक मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के कारण ही इतना फायदेमंद है। आइए अब जानते हैं मिट्टी में खेलने से बच्चों का क्या-क्या फायदे मिलते है।

गुड-बैक्टीरिया - मिट्टी में हेल्थ-फ्रैंडली बैक्टीरिया पाया जाता है। जो बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बहुत जरुरी है। चाहे गरीब का बच्चा हो या फिर अमीर का। मिट्टी में खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। वो अलग बात है कि कई मां-बाप बच्चों को मिट्टी में नहीं खेलने देते, उन्हें डर होता है कि कहीं बच्चों में संक्रामण न फैल जाए।

रचनात्मक सोच - बच्चों के दिमाग में सबसे अधिक नए-नए आइडियाज आते हैं। मिट्टी में जब बच्चे खेलते हैं तो वह अपने आइडियाज को रुप देते हैं। रोजाना ऐसा करने से उनकी रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता - आजकल बच्चों को जुकाम बहुत जल्द हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चों का इमुयनिटी सिस्टम बहुत कमजोर हो चुका है। अगर आप अपने बच्चों को मिट्टी में खेलने देते हैं तो इससे आपके बच्चे की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ेगी, साथ ही उन्हें मानसिक तोर पर भी मजबूत बनाता है।

बीमारियों से बचाव - युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल में हुए एक शोध के अनुसार जो मां-बाप अपने बच्चों को बचपन में मिट्टी में खेलने से रोकते हैं,उन बच्चों को आगे चलकर ब्लड प्रैशर और अन्य कई खतरनाक बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। इसलिए अपने बच्चों को जितना हो सके खुले वातावरण में हंसने और खेलने के लिए भेजा करें।

इंटैलिजेंट बनते हैं बच्चे - डॉक्टरों का मानना है कि आजकल बच्चे ज्यादातर इनडोर गेम्स खेलना पसंद करते हैं। मां-बाप बच्चों को वीडियो-गेमस खुद लेकर देते हैं, पर वे इस बात को नहीं जानते कि इन सबके इस्तेमाल से उनका दिमाग डल होता जा रहा है। मिट्टी में खेलने से बच्चों का मस्तिष्क तेज होता है। साथ ही बच्चे वातावरण से जुड़े रहते हैं। उनकी फिजिकल एक्टीविटी भी होती रहती है।

तनाव को हटाए - मिट्टी की खुशबू और मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म कीटाणु बच्चों के मूड खुशनुमा बनाए रखता है। इसके अलावा, दूसरे बच्चों के साथ मिट्टी में खेलना उनके तनाव के स्तर को कम करता हैं, इसलिए बच्चों को मिट्टी में खेलने की अनुमति देना उनको रिलैक्स और शांत रखने में मदद करता है।

प्रकृति की देखभाल - जिन बच्चों को खुले वातावरण और मिट्टी में मां-बाप से इजाजत नहीं मिलती, उन बच्चों को प्रकृति के महत्व के बारे में बहुत कम पता होता है। बच्चे जब बाहर खुले वातावरण में खेलने जाएंगे तो प्रकृति रहने से उन्हें प्रकृति के महत्व का पता चलता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - मिट्टी में पाए जाने वाले तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

स्किन एलर्जी से लेकर गठिया दर्द का रामबाण इलाज है कपूर, यूं करें इस्तेमाल

कपूर का इस्तेमाल पूजा-अर्चणा में किया जाता है लेकिन इसकी खूशबू मच्छर-मक्खी, कीट-पतंगों को भगाने में भी काम आती है। इतना ही नहीं, कपूर के कई स्वास्थ्य व सौंदर्य फायदे भी हैं जिनके बारे में शायद ही आप जानते हो। दरअसल, कपूर में एंटीबैक्टिरीयल, एंटीफंगल और एंटी-इन्फलैमटरी जैसे अनेक औषधीय गुण होते हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल खाज-खुजली, दाग-धब्बे गायब करने के लिए घरेलू तरीके से किया जाता है। चलिए आज हम आपको बताते है कपूर के ऐसे ही ब्यूटी एंड हैल्थ से जुड़े फायदे, जिनके लिए आप कपूर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं।

दर्द का रामबाण इलाज - छोटी-मोटी चोट, कमर, गर्दन व पीठ दर्द और सूजन हो जाने पर कपूर रामबाण इलाज साबित होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण होते है जो दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करते हैं। जब चोट व सूजन वाली जगह पर कपूर लगाया जाता है तो आपको थोड़ी झुनझुनी, गर्मी व ठंडक महसूस जरूर होती है लेकिन तुरंत राहत भी मिलेगी।

मांसपेशियों में ऐंठन - अगर मांसपेशियां में ऐंठन रहती है तो भी कपूर का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद एंटीस्पास्मोडिक और रिलैक्सेंट गुण ऐंठन से राहत दिलाने में मदद करते हैं। कपूर को ऐंठन वाली जगह पर हल्के हाथों से लगाकर मालिस करें। इससे वहां की कठोर स्किन नरम होगी और आराम मिलेगा।

गठिया दर्द से राहत - बदलते लाइफस्टाइल व खानपान के कारण अधिकतर लोग गठिया जैसी बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। गठिया मरीजों को अक्सर जोड़ों में दर्द और सूजन की शिकायत रहती हैं। ऐसे में उन्हें कपूर या उससे बने उत्पादों को इस्तेमाल करें। इससे काफी राहत मिलेगी।

दिमाग को रखे शांत - बिजी लाइफस्टाइल व काम के प्रेशर के कारण अक्सर लोगों को तनाव व अनिद्रा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कपूर के तेल की खूशबू दिमाग को शांत रखने और बेहतर नींद लाने में असरदार साबित होती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

26 साल बाद वापसी के लिए तैयार हैं मंदाकिनी

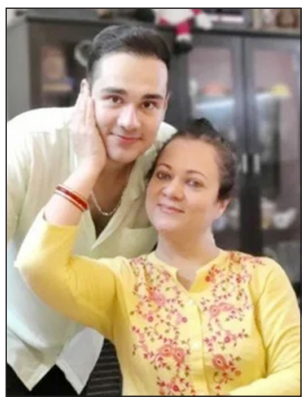

'राम तेरी गंगा मैली' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री मंदाकिनी काफी समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं। उन्होंने 1996 में शोबिज को अलविदा कह दिया था। अब 26 साल बाद वह फिर से अपने कमबैक के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही अपने बेटे रब्बिल ठाकुर के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आने वाली हैं। मंदाकिनी को इस म्यूजिक वीडियो का हिस्सा बनाने वाले डायरेक्टर साजन अग्रवाल ने कहा कि मंदाकिनी मेरे होमटाउन मेरठ से ही हैं। वहीं, ये गाना भी मां के बारे में है, जिसका नाम 'मां ओ मां' है। इस म्यूजिक वीडियो के जरिए उनके बेटे डेब्यू करने जा रहे हैं, तो मेरा भी मंदाकिनी के साथ काम करने का सपना सच हो रहा है। साजन अग्रवाल ने ही गाने के बोल लिखे हैं और बबली हक और मीरा ने संगीत दिया है। इसे गुरुजी कैलाश रायगर ने प्रोड्यूस किया है और ऋषभ गिरी ने अपनी आवाज दी है। साजन अग्रवाल का कहना है कि वो एक शॉर्ट फिल्म डायरेक्ट करने के बारे में भी सोच रहे हैं, जिसमें मंदाकिनी मुख्य भूमिका में होंगी। इस बारे में मंदाकिनी ने कहा कि 'मां ओ मां' एक खूबसूरत गाना है और मुझे ये सुनते ही पसंद आ गया था। इस गाने की खास बात है कि इसमें मेरा बेटा लीड रोल निभा रहा है।

हुमा कुरैशी खोलेंगी लजीज जिंदगी के राज

हुमा कुरैशी भारत की पहली होम शेफ तरला दलाल की भूमिका बड़े परदे पर निभाने जा रही हैं। दिवंगत शेफ तरला और उनके जीवन पर बनने वाली इस बायोपिक के फैसले के बारे में बात करते हुए, निर्माता अश्विनी अय्यर तिवारी कहते हैं, तरला की कहानी एक प्रतिष्ठित शेफ होने की तुलना में बहुत अधिक है। यह एक वर्किंग मां की कहानी है, जिसने अकेले ही भारत में शाकाहारी कुकिंग का चेहरा बदल दिया और ऐसे कई घरेलू रसोइयों और स्टार्टअप्स के लिए अपने सपनों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त किया। हुमा कहती हैं, तरला दलाल मुझे अपना बचपन की याद दिलाती है। मेरी मां के पास रसोई में अपनी किताब की एक कॉपी थी और वह अक्सर मेरे स्कूल के टिफि न के लिए अपनी रेसेपीज आजमाती थीं। मुझे वह समय भी स्पष्ट रूप से याद है जब मैंने मां को तरला की घर की बनी आम की आइसक्रीम बनाने में मदद की थी। इस भूमिका ने मुझे मेरी बचपन की उन प्यारी यादों को लौटा दिया है और मैं रॉनी, अश्विनी और नितेश की बहुत आभारी हूं कि इस इंस्पायरिंग कैरेक्टर को निभाने के लिए मुझ पर विश्वास किया। रॉनी स्क्रूवाला कहते हैं, तरला दलाल ने भारत में होम कुकिंग को बदल दिया। उनकी कहानी उद्यमिता पर एक पाठ्यपुस्तक का उदाहरण है कि कैसे अपनी महत्वाकांक्षाओं की दिशा में काम करने में कभी देर नहीं होती। मैं अश्विनी और नितेश के साथ फिर से सहयोग करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

...लाइफ को ऐसे संतुलित करती हैं दीपिका पादुकोण

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बेस्ट कपल में से एक माने जाते हैं। रील लाइफ हो या रियल लाइफ दोनों की जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। दोनों एक दूसरे की तारीफ करने से भी नहीं कतराते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रणवीर सिंह ने अपनी वर्किंग लाइफ के बारे में खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे दीपिका ने उनके काम और जीवन के बीच में संतुलन किया है। रणवीर ने कहा कि दीपिका इसे समझने के लिए उनका वर्किंग कैलेंडर भी देखती हैं कि काम के अलावा उनके पास खुद के लिए समय है कि नहीं। इंटरव्यू के दौरान रणवीर ने कबूल किया कि जब तक दीपिका उनके जीवन में नहीं आईं, तब तक वह वर्कहॉलिक थे। उन्होंने कहा, अगर मेरे बस में होता तो मैं दिन में 18 घंटे काम करता। क्योंकि जो चीजें हमें परिभाषित करती है, हम वास्तव में उसे करना पसंद करते हैं।' उन्होंने कहा, मैं अपने काम के प्रति जुनूनी हूं और मेरे पास काफी लंबे समय तक जीरो वर्क-लाइफ संतुलन था। जब दीपिका मेरे जीवन में आईं तब उन्होंने मुझे जिंदगी जीने के लिए प्रेरित किया। वह मेरे साथ बैठती है और यह सुनिश्चित करने के लिए मेरे काम के कैलेंडर को देखती है।